150 पार्षदों के 3 हजार सुझाव आए थे, बोर्ड मीटिंग के एजेंडे में आखिर कितने शामिल करते : महापौर

अगर जनहित के सुझाव शामिल नहीं करने थे तो फिर मांगे ही क्यों गए थे : पार्षद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर निगम में 25 मई को होने वाली बोर्ड मीटिंग से पहले बीजेपी पार्षदों व चेयरमैनों में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रति नाराजगी और बगावत अंदरखाने बढ़ रही है। इनकी नाराजगी का कारण है कि बोर्ड मीटिंग के एजेंडे में आमजन के हितों से जुड़े मुद्दे नहीं रखे गए। उधर महापौर का कहना है कि 150 पार्षदों के 3 हजार सुझाव मिले थे, आखिर एजेंडे में किस-किसको शामिल करते? सामुदायिक केन्द्रों के जीर्णोद्धार, स्पोर्ट्स अकादमी खोलने, ग्रेटर निगम मुख्यालय में पार्किंग, ग्रीन बॉण्ड और सफाई से जुड़े मुद्दों को बैठक में शामिल किया गया है।

दूसरी ओर जब पार्षदों से बात की गई तो नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकांश बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, जब महापौर सौम्या गुर्जर को पार्षदों की राय और सुझावों को बोर्ड मीटिंग में शामिल ही नहीं करना था तो फिर उनसे सुझाव क्यों मांगे गए थे। वैसे भी अगर 3 हजार सुझाव थे तो उनमें अधिकांश तो सफाई-सीवरेज, रोड लाइट, उद्यानों के रखरखाव और विकास कार्यों से जुड़े हुए कॉमन मुद्दों पर थे।

- ग्रेटर निगम में 25 मई को साधारण सभा से पूर्व अंदरखाने बढ़ रही है बगावत, पार्टी की मर्यादा से बंधे होने के कारण फिलहाल बीजेपी पार्षद और चेयरमैन खुलकर नाराजगी नहीं जता रहे
- साधारण सभा में मात्र दो दिन शेष हैं, फिर भी प्री-बोर्ड मीटिंग की अभी तक कोई सुगबुगाहट नहीं है, न ही चेयरमैन व पार्षदों के पास कोई सूचना पहुंची
- नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, प्रत्येक 2 माह में बोर्ड मीटिंग और हर माह कार्यकारिणी समिति (ई.सी.) की बैठक बुलाने के बजाय साल- सवा साल में बैठकें बुलाकर पार्षदों के अधिकारों को धूल में मिला रही हैं महापौर

अगर यह प्रस्ताव इन मुद्दों के अलावा थे तो फिर साफ जाहिर है कि पिछले ढाई साल में ग्रेटर निगम प्रशासन पार्षदों व आमजन की समस्याएं दूर करने में नाकाम रहा है।

बीजेपी के कई पार्षदों ने कहा कि हम पार्टी की मर्यादा से बंधे हैं, इसलिए कुछ बोल नहीं रहे हैं, लेकिन हमे और हमारी बातों को महापौर तवज्जो देती ही नहीं है। हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर की तरह ही ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या भी 'एकला चालो' की नीति अपना रही है। भले ही ग्रेटर निगम में समिति चेयरमैन बना दिए हैं, लेकिन बोर्ड मीटिंग से पूर्व उन्हें बुलाकर राय-मशविरा तक नहीं किया जाता, फिर पार्षदों की बात ही दूर है।

कुछ पार्षदों ने कहा कि, कांग्रेस के हैरिटेज निगम में तो बोर्ड मीटिंग नहीं हो रही है, लेकिन ग्रेटर निगम भी नियम-कायदों की धज्जियां उडाने में कोई कम नहीं है। नियमों के मुताबिक वर्षभर में कम से कम 6 बोर्ड मीटिंग होना जरूरी है, लेकिन बीते ढाई वर्ष में यह चौथी बोर्ड मीटिंग होगी। पिछली साधारण सभाओं में जो फैसले हुए, उनकी पालना आज तक नहीं हुई, फिर ऐसी मीटिंग्स बुलाने का क्या ही औचित्य है?

वहीं कुछ बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, प्रत्येक 2 माह में बोर्ड मीटिंग और हर माह कार्यकारिणी समिति (ई.सी.) की बैठक बुलाई जाती तो आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा भी होती और ग्रेटर नगर निगम में अफसरशाही हावी भी नहीं होती। प्री-बोर्ड मीटिंग की सूचना भी अभी तक नहीं है। उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने कहा कि, मैंने भी पार्षदों से प्रस्ताव मांगे थे, मुझे 3 हजार प्रस्ताव नहीं मिले। पार्षदों से राय-मशविरा करके मैंने 17 प्रस्ताव महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर को साधारण सभा के एजेंडे में जोड़ने के लिए भिजवाए थे, लेकिन उन्हें भी तवज्जों नहीं मिली। मंगलवार को महापौर डॉ. सौम्या और आयुक्त महेन्द्र सोनी से मिलकर उन्हें व्यक्तिगत आग्रह करूंगा और इन 17 प्रस्तावों को अतिरिक्त एजेंडे के तौर पर बैठक में शामिल करने की मांग उठाएंगे।

गुस्साए पति ने सिलबट्टे से पत्नी का सिर फोड़ा

- गर्लफ्रेंड की बात पर हुआ था दोनों के बीच झगड़ा
- वारदात के बाद फरार हुए हमलावर पति की तलाश में जुटी पुलिस टीम

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा इलाके में एक पति के पत्नी की हत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। गर्लफ्रेंड की बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। गुस्साए पति ने सिलबट्टे से पत्नी का सिर फोड़ दिया और लहूलुहान हालत में पत्नी को जमीन पर गिराकर फरार हो गया। घायल महिला का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हरमाड़ा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि व्यास कॉलोनी शास्त्री नगर निवासी अरूण कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनकी मां बबीता देवी पिछले करीब 10 साल से नागंल पुरोहितान में रहती थी। करीब 10 दिन से ही टोडी हरमाड़ा में रह रही है। उसके पिता प्रफुल्ल चन्द का सुमित्रा नाम की महिला से अफेयर है। पिता अपनी गर्लफ्रेंड के साथ ही रहते है। शराब के नशे में घर आकर लडाई-झगड़ा करते है। मम्मी के पर्स से पैसे निकालकर ले जाते है। विरोध करने पर परिवार के साथ मारपीट करते है। आरोप है 19 मई को दोपहर करीब 3 बजे पिता शराब के नशे में घर आए। खुद की गर्लफ्रेंड की बात को लेकर मम्मी से झगड़ा करने लगे। गुस्से में आकर आरोपी पिता ने मम्मी को जान से मारने के नियत से सिलबट्टे से सिर पर वार कर लिया। सिर फटने से लहूलुहान होकर मम्मी जमीन पर गिर गई। जिन्हें देकर आरोपी पिता फरार हो गया। घर पर मौजूद नाबालिग बेटे ने कॉल कर दादी की हालत के बारे में बताया। घर पहुंचे परिजनों ने गंभीर हालत में उन्हें दीर्घायु हॉस्पिटल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए हॉस्पिटल रेफर कर दिया। हॉस्पिटल में घायल बबीता देवी का इलाज चल रहा है। घायल महिला के बेटे की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त

सड़क किनारे मिला मानव भ्रूण

जयपुर। झालाना इलाके में सड़क किनारे रविवार सुबह मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। नाजायज पैदाइश को छिपाने के लिए उसे फेंका गया था। कचरे के ढेर में पड़े मिले भ्रूण को गांधी नगर थाना पुलिस ने कब्जे में लिया। पुलिस ने हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भ्रूण का पोस्टमॉर्टम करवाया। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इन्द्रा नगर कच्ची बस्ती झालाना डूंगरी निवासी सोहन लाल पंवार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। सुबह करीब 7 बजे वह बुरादा टीबा की खान के पास से जा रहे थे। इस दौरान रोड किनारे कचरे के ढेर में मानव भ्रूण पड़ा दिखाई दिया। मानव भ्रूण मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। भ्रूण मिलने की सूचना पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौका-मुआवना कर सबूत जुटाने के बाद भ्रूण को कब्जे में लिया गया। पुलिस ने भ्रूण को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मानव भ्रूण करीब 7 महीने का है। अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला जा रहा है।

डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में चोरी

जयपुर (कासं)। एस.एम.एस. थाना इलाके में चोर एक डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में रखे गल्ले से रुपए चुरा ले गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरे में आई रिकार्डिंग के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में सुराना डायग्नोस्टिग रिसर्च सेन्टर के रेडियोग्राफर माजिद अली ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि वह सुराना डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत है। 22 मई को सुबह 8 बजे उसने क्लिनिक खोला तो रिसेप्शन पर गल्ला खुला हुआ था और उसमें रखे पैसे गायब थे। जब उसने सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग को देखा तो पता चला क्लिनिक में चैनल गेट से सुबह 6 बजे एक व्यक्ति अंदर आया और मौका पाकर 5220 रुपए लेकर चला गया। चोरी करने वाला व्यक्ति पीछे की तरफ से आया था और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे में आई फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर (कासं)। अशोक नगर थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक 21 मई को पुलिस कंट्रोल रूम पर हैड कांस्टेबल दिनेश ने सूचना दी कि सेंट्रल पार्क के पास 50 वर्षीय युवक अचेत मिला, जिसने अत्यधिक शराब पी रखी थी। पुलिस ने उसे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह 19 मई को एसएमएस अस्पताल के वार्ड 2 एफ में भर्ती हुआ था। पुलिस ने शव को मुर्दाघर में रखवाकर उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी है।

'आर.जी.एच.एस. कार्ड में सर्विसिंग कैटेगरी बदलें'

विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा और विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने संयुक्त परियोजना निदेशक सुरेश कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर, (का.सं.)। विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं विराज फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने आरजीएचएस कार्ड में सर्विसिंग कैटेगरी में परिवर्तन के संबंध में परियोजना निदेशक के नाम संयुक्त परियोजना निदेशक सुरेश कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा।

प्रदेशाध्यक्ष तिवाड़ी ने बताया कि राज्य सरकार से सेवानिवृत्त कार्मिकों के आरजीएसएस कार्ड में सर्विस केटेगरी में सर्विसिंग एंप्लॉय लिखा होने से उनको आरजीएचएस डायरी जारी किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है और सेवानिवृत्त कार्मिकों को उक्त सुधार के लिए आरजीएचएस एवं परियोजना निदेशालय में आवेदन करना पड़ता है। सर्विस कैटेगरी बदलवाने में काफी समय भी लगता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को कोषालय व उपकोषालय स्तर पर उपलब्ध करवा कर सेवानिवृत्त कार्मिकों को राहत प्रदान करने की मांग की इस दौरान सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन श्रीराम शर्मा भी उपस्थित रहे।

जयपुर को एक बनाए रखने के लिए पैदल मार्च 10 को

- राज्य सरकार ने भले ही नवगठित जयपुर उत्तर व जयपुर दक्षिण जिले में ओएसडी नहीं लगाया है, लेकिन जब तक जयपुर को एक जिला बनाने की अधिकृत घोषणा नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा : सुनील कोठारी

जयपुर (कासं)। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राजस्थान के 19 नए जिलों की घोषणा में जयपुर के दो हिस्से कर जयपुर दक्षिण व जयपुर उत्तर के नाम से दो जिले प्रस्तावित किए गए, जिससे नाखुश नागरिकों द्वारा म्हारो जयपुर - प्यारो जयपुर अभियान चलाया। जयपुर को एक जिला बनाए रखने की मुहीम पिछले दो माह से लगातार जारी है।

इसी अभियान से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें जयपुर शहर को एक जिला बनाए रखने के लिए चलाए गए अभियान की समीक्षा व आगामी रूपरेखा तय की गयी।

अभियान से जुड़े सुनील कोठारी ने बताया कि सरकार द्वारा हाल ही में 15 नव गठित जिलों में ओएसडी लगाए जाना और बाकी चार जिलों में ओएसडी नियुक्त नहीं किया। संभवत: सरकार की सोच में आए बदलाव को इंगित करता है, किंतु जब तक सरकार अधिकृत रूप से जयपुर को दो जिलों में विभक्त ना करके एक ही जिला बनाए रखने की घोषणा नहीं कर देती तब तक सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं हो सकती और ऐसे में अभियान से जुड़े लोग केवल इस बात से संतुष्ट नहीं हो सकते की सरकार ने यहाँ अधिकारी नियुक्ति नहीं किए, इसका मतलब सरकार जयपुर को विभक्त नहीं करना चाहती।

सभी कार्यकर्ता एक मत थे की हम इस अभियान को तब तक जारी रखेंगे जब तक सरकार जयपुर को दो हिस्से नहीं करने की अधिकृत घोषणा नहीं कर देती और तब तक इस अभियान को हम अधिक प्रभावी ढंग से और आगे ले जाएंगे। सुनील कोठारी ने बताया कि हम मुख्यमंत्री से मिलने का समय लगातार माँग रहे है ताकि उनको इस विषय का ज्ञापन दिया जा सके। उनका समय मिलते ही हम उन्हें तथा इसी के साथ-साथ राज्यपाल, नेता प्रतिपक्ष व प्रमुख पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों को भी इस आशय का ज्ञापन देंगे।

इसके अलावा अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्टेच्यू सर्किल पर जिस तरह प्रभावी कैंडल मार्च किया गया था, उसी तरह का एक प्रभावी पैदल मार्च हाथ में मशाल लेकर जयपुर की जनता की भावना को प्रदर्शित करते हुए आगामी 10 जून को निकाला जाएगा और जनता की भावना को सरकार तक पहुँचाया जाएगा। इससे पूर्व 28 मई को गलता स्थित सूर्य मंदिर पर हमें चाहिए जयपुर एक के समर्थन में महाआरती भी आयोजित की जाएगी।

मंत्रालयिककर्मियों का अनशन जारी

जयपुर। राजधानी के शहीद स्मारक पर अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से चल रहा क्रमिक अनशन सोमवार को 68 वें दिन भी जारी रहा। मंत्रालयिक एकता मंच के प्रदेश प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि आज जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सतीश चंद शर्मा के नेतृत्व में किशन गुप्ता, दिनेश मीणा, ओम प्रकाश सेन व रोहित 24 घंटे के क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई व देवेन्द्र नरूका मौजूद रहे।

पति ने कैंची से पत्नी पर जानलेवा हमला किया

आरोपी ने बालकनी से फैंकने का प्रयास किया, महिला ने घर से भाग बचाई जान

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर इलाके में एक पति ने कैंची से पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। घायल पत्नी को बालकनी से नीचे फेंककर मारने का प्रयास किया। हमलावर पति के चुंगल से छुटकर घर से भागकर पत्नी ने खुद की जान बचाई। आदर्श नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर निवासी 19 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ समय पहले ही उसकी शादी हुई है। आरोप है कि दहेज में कार और पैसे नहीं लाने की बात पर आरोपी पति गाली-गलौज कर मारपीट करता है। शनिवार रात करीब 8 बजे दहेज की मांग को लेकर झगड़ा करना शुरू कर दिया। गुस्से में उसे मारने के लिए कैंची से हमला कर दिया। गले पर वार के दौरान बचने के प्रयास में कैंची उसके कंधे में जा लगी। कैंची से हमला कर तीन घाव कर दिए। घायल पत्नी चक्कर आने पर बेहोशी की हालत में हो गई। आरोपी पति ने उसे उठाकर बालकनी से नीचे फेंकने की कोशिश की। जैसे-तैसे आरोपी पति के चुंगल से छुटकर घर से भागकर उसने अपनी जान बचाई। पीहर पहुंची पीड़िता का परिजनों ने इलाज करवाया। जिसके बाद आरोपी पति के खिलाफ आदर्श नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

3 जून को कूकस में रोजगार मेले में ज्यादा से ज्यादा नौजवान पहुंचें : सतीश पूनियां

सतीश पूनियां ने जालसू गांव में विद्यालयों में कमरे, सड़क, पुस्तकालय और खेल मैदान की सौगात दी

जयपुर। विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां आज अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर आमजन से मिले। उन्होंने जालसू क्षेत्र में ग्राम पंचायत खन्नीपुरा में विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया और जनहित के कार्यों में मदद करने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया। सतीश पूनियां ने खन्नीपुरा की राजकीय विद्यालय में बरामदा मय दो कक्षा कक्षों का उद्घाटन किया, खन्नीपुरा में सार्वजनिक पुस्तकालय का शिलान्यास किया, नारदपुरा में सीसी ब्लॉक से नवनिर्मित चौक का लोकार्पण किया, नारदपुरा की राजकीय संस्कृत विद्यालय में खेल मैदान का शिलान्यास किया, नारदपुरा के सामुदायिक भवन की चारदीवारी के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, सुरदर्शनपुरा में सीसी ब्लॉक से नवनिर्मित चौक का उद्घाटन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, जालसू प्रधान हरदेव यादव सहित आमजन, युवा, मातृशक्ति और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समारोह में संबोधित करते हुये डॉ. पूनियां ने कहा कि, मेरा कोई पूर्व जन्म का संस्कार था कि आमेर की जनता की सेवा करने का सौभाग्य मिला। मुझे अच्छे संगठन का संस्कार मिला, अच्छे लोगों का संस्कार मिला, अच्छे मित्रों और अच्छे कार्यकर्ताओं का साथ मिला। यही कारण है कि इस बात को मैं समझ पाया कि किसी राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि का जीवन खुद के अलावा अपने क्षेत्र की जनता के लिये समर्पित होता है। जनता जब तकलीफ में होती है तब उस तकलीफ में खड़े होना, यह किसी सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान होती है। यदि कोई सुख हो तो उस मंगल काम में सब लोग मिलकर उत्सव और आनंद मनायें, इसमें हम सबको परिवार भाव के साथ काम करना चाहिये। मुझे इस बात का गर्व है कि उस विकट परिस्थिति में भी आपके आशीर्वाद से जिंदा आया, लेकिन उसके बाद अपनी कर्मभूमि आमेर पर अपने परिश्रम और पसीने से जनता का काम करने की भरपूर कोशिश की। विधायक कोष का कोटा तो बहुत थोड़ा होता है, लेकिन क्षेत्र के विकास के लिये किसी व्यक्ति का यदि जज्बा हो, इच्छा हो तो दुनिया की कोई ताकत उसके विकास को रोक नहीं सकती।

जो सरकारी काम हुये, भामाशाहों के जरिये भी काम हुये, उससे आगे बढ़कर हमें पूरे आमेर विधानसभा क्षेत्र को और ज्यादा विकसित और शिक्षित बनाना है।

'मीटर रीडर की गड़बड़ी का दण्ड उपभोक्ता को नहीं'

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-3 ने उपभोक्ता को लाखों रुपए का बिजली का बिल भेजने के मामले में कहा है कि मीटर रीडर की ओर से की गई गड़बड़ी के लिए उपभोक्ता को दंडित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही आयोग ने उपभोक्ता को भेजे 3 लाख, 42 हजार 724 रुपए के बिल को निरस्त कर दिया है। आयोग ने कहा है कि यदि उपभोक्ता ने कोई राशि जमा कराई है तो वह 12 फीसदी ब्याज सहित लौटाई जाए। इसके अलावा आयोग ने मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर तीस हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश याकूब अली के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी के घरेलू बिजली कनेक्शन का सितंबर, 2017 का 17 हजार 347 रुपए का बिल आया था। जिसे परिवादी ने जमा करा दिया। वहीं बिल जमा कराने के बाद भी बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने उसे तीन लाख 42 हजार 724 रुपए का बकाया बिल दिया और पांच अक्टूबर तक जमा नहीं कराने पर कनेक्शन काटने की धमकी दी। परिवादी पक्ष की ओर से दिखाई गई जमा रसीद पर भी कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया। ऐसे में उसे मुआवजा दिलाया जाए। इसका विरोध करते हुए बिजली कंपनी की ओर से कहा गया कि परिवादी ने मीटर रीडर से मिलीभगत कर हर बार वास्तविक यूनिट से कम का बिल जमा कराया। कंपनी ने 5 जुलाई को जब मीटर उतारा था तो डिसप्ले आउट था। जब बिलिंग डाटा रिपोर्ट के अनुसार जांच करने पर रीडिंग 55 हजार 66 मिली। जबकि परिवादी को 9568 यूनिट के बिल ही जारी हुए थे।

वाहन चोरों के 919 ठिकानों पर दबिश, 253 गिरफ्तार

पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर बदमाशों को दबोचा

जयपुर पुलिस ने सोमवार सुबह छापेमारी कर 253 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार अलसुबह वाहन चोरों के 919 ठिकानों पर दबिश देकर 253 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि शहर में वाहन चोरी करने वाले 919 वाहन चोरों को चिह्नित किया गया। इनमें 34 वाहन चोर जेल में बंद थे और शेष की तलाश में एक साथ दबिश दी गई। वाहन चोरी में चालानशुदा 313 लोगों को पकड़ा और पड़ताल के बाद 253 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में 240 को शांति भंग में, धारा 110 सीआरपीसी में 9 को, धारा 107/116 सीआरपीसी में 4 को और स्थाई वारंटी में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। 2 प्रकरण भी दर्ज किए और दस्तावेज नहीं मिलने पर 8 वाहन जब्त किए। कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि 5 डीसीपी, 9 एडिशनल डीसीपी, 22 एसीपी, 67 निरीक्षक व करीब तीन हजार हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल कार्यवाही में मौजूद रहे। कमिश्नरेट के पूर्व जिले में 248 जगह दबिश देकर 83 लोगों को पकड़ा गया। इसी प्रकार पश्चिम जिले में 278 जगह दबिश देकर 95 को, उत्तर जिले में 327 जगह दबिश देकर 115 को दक्षिण जिले में 66 जगह दबिश देकर 20 लोगों को पकड़ा गया।

40 दिन सुखमनी साहिब पाठ और छबील आयोजन

जयपुर, (का.सं.)। सिक्ख धर्म के प्रथम शहीद और पांचवे गुरू, शांति के पुंज, शहीदों के सरताज गुरू अरजन देव की शहीदी को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क की ओर से झोटवाड़ा रोड, पुलिस चौकी के पास छबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आने-जाने वाले सभी लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क के सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने इस सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। गुरू अरजन देव के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी, बनी पार्क के पाठ ग्रुप अपणी मेहर कर के सदस्यों ने 40 दिन लड़ीवार गुरूजी की बाणी सुखमनी साहिब का पाठ किया। इसकी शुरूआत 13 अप्रैल को की गई थी। सभी ने मिलकर 2105 सुखमनी साहिब पाठ किए। लड़ीवार सुखमनी साहिब पाठ का समापन 22 मई को किया गया। इस दिन सभी सदस्यों ने अपने घर पर काले चने और ठंडे मीठे शर्बत का प्रसाद बनाया।

जयपुर डिस्कॉम का एम.डी. किसानों के साथ कर रहा है दुर्व्यवहार : रामलाल शर्मा

- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा के आरोपों से हड़कंप मचा

जयपुर । भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि सरकार बड़े-बड़े दावे इस बात के करती है कि हम किसानों को राहत प्रदान करने का काम कर रहे हैं। किसानों के बिजली के बिलों में सब्सिडी देने का काम कर रहे हैं, किसानों की भरी गई वीसीआर को समझौता समिति में लेकर निस्तारण करने का काम कर रहे हैं, पहले बिजली विभाग द्वारा वीसीआर को 50 फीसदी के आधार पर निर्णय किया जाता था और अब उसको घटाकर 10 प्रतिशत के आधार के ऊपर किया गया है, लेकिन वास्तविकता इससे बहुत परे है। उन्होंने जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक आर.एन. कुमावत पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि एमडी अपने अहंकार में चूर हैं। किसानों की एक महीने की अवधि की वीसीआर को अधीक्षण अभियंता के पास समझौता समिति लेने के अधिकार है और यदि एक माह की अवधि से अधिक समय हो जाने के उपरांत वीसीआर को समझौता समिति में लेने का अधिकार जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के पास होता है, लेकिन एक नहीं अनेको किसानों की ये समस्या और पीड़ा है कि जब प्रबंध निदेशक के पास किसान वीसीआर की कॉपी लेकर गए तो हमारे साथ दुर्व्यवहार किया गया और हमें दरवाज़े से बाहर निकालने की धमकी भी दी गई है और हमारे पर आरोप लगाया गया कि तुम बिजली